RE. DENIAL OF PERMISSION TO EMINENT PERSONALITIES TO CELEBRATE THE ANNIVERSARY OF INDEPENDENCE DAY AT AYODHYA.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : मैडम, 14 अगस्त की रात को देश के तमाम साहित्यकार, कलाकार, शिक्षाविद इस देश की आजादी की वर्षगांठ मनाने के लिए अयोध्या में इकट्ठे होने वाले थे । भारत की सरकार का राज्य वहां चल रहा है राष्ट्रपति शासन के माध्यम से । यह काम देश की मौजूदा हालत में बड़ा जरूरी काम था । देश में जो तमाम फिरकापरस्त लोग अपना सिर ऊंचा कर रहे थे, उस सिर को कुचलने के लिए इस तरह का काम देश की एकता के लिए एक अच्छी शुरुआत और अच्छी बात थी । मैं उन तमाम साहित्यकारों को, इतिहासकारों को, पत्रकारों को, कलाकारों को बधाई देना हूं जिन्होंने इस काम की शुरुआत करने का निश्चय किया ।

महोदया, इनमें बड़े नामी-गिरामी लोग थे---अमजद अली खान, गिरिजा देवी, सितारा देवी, किस-किस का नाम लूं ? सभी लोग वहां पर इकट्ठे होने वाले थे, तमाम इतिहासकार इकट्ठे होने वाले थे और वहां आज जो राष्ट्रपति शासन के माध्यम से केंद्र की हुकूमत चल रही है, उसने इस काम को करने की इजाजत नहीं दी ।

मैं आपसे यह जानना चाहता हूं, मार्गरेट आल्वा जी यहां पर बैठी हुई हैं, मैं बड़ी विनम्रता से उनसे पूछना चाहता हूं कि एक ओर तो आप सोम यज्ञ की इजाजत दे रहे हैं और दूसरी ओर एक राष्ट्रीय स्तर का काम जिसमें सारी पार्टियों, सारे विचारों के लोग शामिल हैं, उस काम को करने की इजाजत नहीं दी जा रही है । क्या सरकार तत्काल आज ही कोई फैसला करने वाली है कि उनको इस मीटिंग की इजाजत दी जाए ? अगर आपकी जानकारी में यह बात नहीं है तो कृपया जानकारी करके हमें बताइए ।

SHRI INDER KUMAR GUJRAL : Madam, the poiat that my honourahte friend has raised, is of supreme importance to alt of us because all creative thinkers, all creative writers,all those in the country, who hold secular values very dear, were getting together to give a message on the eve of the Independence Day. I think it is incumbent on the Government not only to give them permission but to assure itself that adequate security is provided to them so that mischief mongers cannot disturb the show that they are going to pat up.

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम, वह काम 1947 में पंडित जवाहरलाल नेहरु ने इस देश को जब आजादी मिल रही थी उस समय उन्होंने जो भाषण दिया था, उसी भाषण से शुरु हो रहा है । इसलिए वह और भी जरूरी है आज के मौजूदा हालात में जब देश की आजादी को चारों तरफ से खतरा सा हम देख रहे हैं, ऐसे समय में उस काम को करने के लिए सरकार तत्काल फैसला करे कि वह काम वहां पर होना चाहिए और उन तमाम साहित्यकारों, शिक्षाविदों को इजाजत मिलनी चाहिए ।

SHRI KAMAL MORARKA (Rajashan): Madam, "Som yagna" has been allowed there, and this cannot be allow ed there! This is totally unacceptable to us..... (*Interrupions)*

SHRI M. A. BABY (Kerala); From all comers of India, Madam , people are coming, artistes are coming for perforating for the units of the, country. If the Central Government cannot give permission to such a glorious contribution, then, shame on the Central Goventtnent.

SHRI KAMAL MORARKA: They cannot accuse the BIP of being commu-munal if they allow reinstallation of the idols there and "Som yagna" there but do mot allow secular activities to take place there.

SHRI M. A. BABY: 'Madam, please direct the Government to five parmission to this.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : महोदया, वहां के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट

[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

की राय के खिलाफ वहां पर सोम यज्ञ की इजाजत दी गई । उस मजिस्ट्रेट का ट्रांसफर किया गया और दूसरे मजिस्ट्रेट को लाया गया, तब सोम यज्ञ वहां पर कराया गया . . . (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mrs. Aiva is saying some thing, please.

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, चूंकि यह सांप्रदायिक सद्भाव के लिए किया जा रहा है, मेरा भी आप से विनम्र प्रार्थना है कि सरकार इस संबंध में विचार करे ।

उपसभापति : सरकार बोलने वाली हैं ।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS, WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MI NISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Madam, I wish to assure all sections of this House that nothing which promotes national integration, communal harmony and unity and integrity of the country and can give this message, will be stepped by the Government. I shall take it up immediately with our concerned Department, probably the Department of Culture.

SHRT M. A. BABY: The Home Ministry.

SHRI DIGVIJAY SINGH : The Home Ministry.

SHRIMATI MARGARET ALVA : Please let me finish. Since there is Presidents rule, the Home Minister is also concerned with this. He will be here in the afternoon. I shall certainly convey your sentiments. I assure you that we are one with you as far as this is concerned.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ सोम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, बस एक मिनट में लूंगा । मैं एक घंटे से हाथ खड़ा कर रहा हूं . . . (व्यवधान)

†[شری محمد افضل عرف م- افضل: میڈم - بس ایک منٹ میں لونگا - میں ایک گھنٹہ سے ہاتھ کھڑا کر رہا ہوں ... مداخلت]

RE. OPINJOJV OF THE ATTORNEY GENEiRAL ON THE LETTER OF THE CHIEF ELECTION COMMISSIONER.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : महोदया, महान्यायवादी, अटार्नी जनरल की राय और मुख्य चुनाव आयुक्त की जो चिट्ठी है उस पर अटार्नी जनरल की राय का लाभ इस सदन को मिलना चाहिए यह मामला कल उठाया गया था तो आपने यह कहा था कि सदन की भावना को सभापति महोदय को बता दूंगी । मेरा निवेदन इस संबंध में यह है कि श्री एच० आर० भारद्वाज जो कानून मंत्री हैं उन का जो वक्तव्य है वह रखा जा सकता है और साढ़े चार बजे ऐजेंडा पर भी रखा गया है, तो मैं जानना चाहता हूं कि अटार्नी जनरल की जो राय है उनकी कानूनी राय का लाभ इस सदन को मिलेगा या नहीं ?

उपसभापति : आज यह बात बिजिनेस एडवाइज़री कमेटी में उठाई जाएगी, उसी समय जो निर्णय होगा । अगर यह तय हो गया कि उनको बुलाना है तो कल 5 बजे शायद उन को बुलाने का सोचा गया है । यह पूरी जो बात है, पूरा जो निर्णय है यह बिजिनेस एडवाइज़री कमेटी के ऊपर है, जो कुछ तय होगा . . . (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : महोदया, यह मामला अकेला नहीं है । यह मामला इस सदन की गरिमा का है । हर बार यहां ऐसा ही होता है । इस सदन को बिलकुल दूसरे दर्जे के नागरिक जैसा समझा जाता है । यह पहली बार नहीं हो रहा है । इसलिए मैं आपसे कहना चाहती हूं कि अगर पहली बार हो रहा हो तब तो बात है, हर मसले पर लोक सभा को नंबर एक और राज्य सभा को दोयम दर्जे का नागरिक समझ कर हमारे साथ बर्ताव किया जाता है । कल भी हम लोगों ने इस बात को यहां उठाना चाहा था । अगर आज हंसराज भारद्वाज का वक्तव्य हो जाएगा तो फिर अटार्नी जनरल आकर क्या करेंगे ? बी० ए० सी० की मीटिंग 4 बजे है । आप यह तय करवाइए । चेयरमैन साहब को कल हम लोगों ने कहलवाया था कि चेयरमैन साहब यह तय करें कि साढ़े चार बजे जो बहस होने वाली है उन के वक्तव्य पर उससे पहले या आज ही 5 बजे अटार्नी जनरल यहां आएं और बहस को